भजन

तर्ज:::पल पल दिल के पास

देखो धनी साक्षात जहाँ रहते हैं
संग श्यामा जी रुहें साथ जहाँ रहते हैं

1 फरामोशी का परदा, रूहों पे डाला है
इस ज्ञान के सूरज से किया उजाला है
सब अर्श की बातें, धनी आप बताते हैं

2. धनी का यही कहना गफलत में न रहना
इन झूठे नातों से खुद को जुदा करना
ये जान रहे हो तुम, यहाँ कोई नही अपना

3 न मिलना बार-बार, यह ऐसा है मौका
कोई तो जाग जाओ न खाओ अब धोखा
जो भूल करी तुमने, फिर होगा पछतावा

4. आवाज पिया की तुम पहचान लो अब तो
जो दर्द छिपा वाणी में उसे जान लो अब तो
जो चोट लगे रूह को, तुम जाग जाओगे